U. P. Education Service Selection Commission, Prayagraj

Syllabus.

Ranjan Kala
(TGT)

- **इकाई- I - दृश्य कला की आधारशिला**
    - संयोजन के सिद्धांत
    - चित्रकला के मूलभूत तत्व
    - भारतीय चित्रकला के षडंग
    - चित्रसूत्र/विष्णुधर्मोत्तर पुराण

- **इकाई- II - दृश्य कला की सामग्री एवं विधियाँ**
    - चित्रकला में पारंपरिक एवं आधुनिक माध्यम। (ड्राई पेस्टल, वॉश पेंटिंग, टेम्परा, ऑयल पेंटिंग, एक्रेलिक पेंटिंग)
    - भित्ति चित्रण की तकनीकें (फ्रेस्को सेक्को एवं फ्रेस्को बुओनो) तथा उनके संयोजनात्मक तत्व।
    - भारतीय लघुचित्रों के डिज़ाइन तत्व एवं कार्यविधि।
    - मिक्स मीडिया- (कोलाज, रिलीफ कार्य, टेक्स्चरल अनुप्रयोग)

- **इकाई- III - सौंदर्यशास्त्र (भारतीय एवं पाश्चात्य अवधारणाएँ):**
    - भारतीय सौंदर्यशास्त्र की अवधारणा (रस सिद्धांत, ध्वनि, अलंकार, औचित्य)
    - भारतीय विचारक (भरतमुनि, रवीन्द्रनाथ टैगोर, ए. के. कुमारस्वामी, भामह, वामन, अभिनवगुप्त, आनंदवर्धन)
    - पाश्चात्य सौंदर्यशास्त्र की अवधारणा (प्लेटो, अरस्तू, कांट, हेगेल, टॉलस्टॉय, क्रोचे, रोजर फ्राई, फ्रायड, सुज़ैन लैंगर, क्लाइव बेल, हर्बर्ट रीड)
    - संगीत, कविता एवं चित्रकला के अंतर्संबंध।

- **इकाई- IV - भारत की लोक परंपरा(सामग्री, संयोजन एवं तकनीकें)**
    - लोक चित्रकला परंपराएँ – (मधुबनी, उड़ीसापट्टचित्र, फड़, कलमकारी, साँझी, सौरा, कालीघाट)
    - जनजातीय कला (वर्ली, गोंड कला, भील कला, सोहराइ, कोहबर)
    - अनुष्ठानिक कला (मांडना, ऐपन, रंगोली, अल्पना, साँझी)
    - लोक शिल्प (ढोकरा धातुशिल्प, गोरखपुर,(औरंगाबाद)टेराकोटा, आज़मगढ़ (निजामाबाद) ब्लैक पॉटरी, राजस्थान का मोलेला)

- **इकाई- V - भारतीय चित्रकला का प्रागैतिहासिक एवं आद्येतिहासिक काल**
    - भारत के महत्वपूर्ण प्रागैतिहासिक स्थल (भीमबेटका, पंचमढ़ी, मिर्जापुर, होशंगाबाद)
    - सिंधु घाटी सभ्यता (मोहनजोदड़ो, हड़प्पा, धोलावीरा, लोथल)
    - प्रमुख पुरावशेष (पुरोहित राजा, नृत्यांगना, मुहरें, मनके)

- मोहन जोदड़ो का स्थापत्य महत्व एवं नगर नियोजन।

- **इकाई- VI - पारंपरिक एवं आधुनिक भारतीय चित्रकला का इतिहास**

  - अजंता गुफा चित्रकला (गुफा संख्या 1, 2, 9, 10, 16, 17),बाघ गुफा चित्रकला (तकनीक एवं विषय-वस्तु)का संयोजन, अवधारणा एवं कार्यविधि
  - लघुचित्र परंपराएँ (पाल, जैन, राजस्थानी, मुगल, पहाड़ी।)एवं कंपनी शैली की चित्रकला का संयोजन, अवधारणा एवं कार्यविधि
  - भारतीय पुनर्जागरण चित्रकला (अबनीन्द्रनाथ टैगोर, नंदलाल बोस, असित कुमार हलदार, क्षितीन्द्रनाथ मजूमदार, बिनोद बिहारी मुखर्जी, शैलेन्द्र नाथ डे) का संयोजन, अवधारणा एवं कार्यविधि
  - आधुनिक भारतीय चित्रकारों (राजा रवि वर्मा, अमृता शेरगिल, जामिनी रॉय, रवीन्द्रनाथ टैगोर, गगनेन्द्रनाथ टैगोर।) का संयोजन, अवधारणा एवं कार्यविधि
  - महत्वपूर्ण कलाकार समूह (कलकत्ता ग्रुप, प्रोग्रेसिव आर्टिस्ट ग्रुप, दिल्ली शिल्पीचक्र, चोलमंडलम आर्टिस्ट्स विलेज) का संयोजन, अवधारणा एवं कार्यविधि

- **इकाई –VII-समकालीन भारतीय कला:**
  - 1950 एवं 1960 के दशक की समकालीन प्रवृत्तियाँ (तैयब मेहता, रामकुमार, के. जी. सुब्रमण्यम, गणेश पाइन, जोगेन चौधरी, कृष्ण खन्ना)।
  - 1970 के दशक से अमूर्तन की प्रवृत्तियाँ (प्रभाकर बरवे, परमजीत सिंह, रतन परिमू, गणेश हलोई, जी. आर. संतोष)
  - 20वीं एवं 21वीं शताब्दी के चित्रकार (मंजीत बावा, गुलाम मोहम्मद शेख, भूपेन खक्खर, अतुल डोडिया, लक्ष्मा गौर, परमजीत सिंह, सुबोध गुप्ता, भारती खेर, रणवीर कालेका, जितीश कल्लाट, आर. एस. बिष्ट, मदनलाल नागर, अंजली इला मेनन, सतीश चन्द्र, बद्रीनाथ आर्य, गोगी सरोज पाल, अर्पणा कौर)

- **इकाई–VIII – प्रागैतिहासिक एवं प्राचीन पाश्चात्य कला**

  - प्रागैतिहासिक कला (लास्कॉ गुफा, अल्तामीरा, इंग्लैंड का स्टोनहेंज)
  - मिस्र की कला{नार्मर पैलेट, गीज़ा के पिरामिड (खुफू, खाफ़्रे और मेनकौरे) एवं ग्रेट स्फिंक्स ऑफ गीज़ा, जोसर का स्टेप पिरामिड, कर्नाक मंदिर परिसर, नेफ़रतिति की अर्धप्रतिमा एवं तूतनखामुन का अंत्येष्टि मुखौटा},
  - एजियन कला{साइक्लेडिक कला (Cycladic Art): साइक्लेडिक महिला मूर्ति। मिनोअन कला — क्रीट (Minoan Art — Crete): नोसस का महल, बुल-लीपिंग भित्तिचित्र। माइसीनियाई कला (Mycenaean Art): माइसीनी का लायन गेट, अगामेम्नन का मुखौटा}
  - यूनानी कला(डोरिक ऑर्डर, आयोनिक ऑर्डर, कोरिंथियन ऑर्डर, कौरोस, कोरे, मृद्भांड चित्रकला, डोरिफोरस, डिस्कोबोलस, नाइकी ऑफ सामोथ्रेस, वीनस डी मिलो।)

- रोमन कला(कोलोसियम, पैंथियन, जलसेतु (Aqueduct), ऑगस्टस ऑफ प्राइमा पोर्टा, मार्कस ऑरेलियस की अश्वारोही प्रतिमा, ट्राजन का स्तंभ, आर्क ऑफ कॉन्स्टेंटाइन, आरा पाचिस ऑगस्टे, विला ऑफ द मिस्ट्रीज़, अलेक्ज़ेंडर मोज़ेक)।

- **इकाई–IX – मध्यकाल से पूर्व-आधुनिक काल तक की पाश्चात्य कला**

  - प्रारंभिक ईसाई (रोम के कैटाकॉम्ब्स, सैन विटाले का बेसिलिका, सांता सबीना, गुड शेफर्ड मोज़ेक, जूनियस बासस का सार्कोफेगस), बाइजेंटाइन (हागिया सोफिया, सैन विटाले का बेसिलिका, जस्टिनियन और थियोडोरा मोज़ेक, वर्जिन एंड चाइल्ड मोज़ेक)
  - रोमानस्क (सैंटियागो डे कॉम्पोस्टेला कैथेड्रल, डरहम कैथेड्रल, स्पेयर कैथेड्रल, ऑटुन में लास्ट जजमेंट टिम्पेनम, बेयॉक्स टेपेस्ट्री), गोथिक (जियोटो, चार्त्र कैथेड्रल, नोट्रे-डेम कैथेड्रल, चार्त्र कैथेड्रल स्टेन्ड ग्लास, रोज़ विंडो)
  - पुनर्जागरणकालीन चित्रकला एवं इसके प्रमुख चित्रकार (मासाच्यो, बोटिचेली, लियोनार्डो दा विंची, माइकल एंजेलो, राफेल, जॉर्जियोने, टिशियन)
  - मैनरिज़्म, बारोक, रोकोको, नवशास्त्रवाद
  - स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद (गुस्ताव कूर्बे, मिलेट, डॉमिए)

- **इकाई–X – प्रमुख पाश्चात्य आधुनिक कला आंदोलन**

  - प्रभाववाद (मॉने, रेनुआर, माने, डेगा, पिसारो), उत्तर-प्रभाववाद एवं नव-प्रभाववाद (सेज़ान, वान गॉग, पॉल गॉगैं, सेराँ)।
  - फॉविज़्म (मातिस, आंद्रे डेरेन), अभिव्यंजनावाद (मंक, कैंडिंस्की, फ्रांज़ मार्क, एमिल नोल्डे, एगोन शिले), क्यूबिज़्म (पिकासो, ब्राक)।
  - दादावाद (दुशाँ, पिकाबिया, मैक्स एर्न्स्ट), अतियथार्थवाद (दाली, मैक्स एर्न्स्ट, मिरो, दे किरीको)।
  - अमूर्त अभिव्यंजनावाद (पोलक, डी कूनिंग, रोथको), ऑप आर्ट (विक्टर वासरेली, राइली), पॉप आर्ट (वारहोल, ओल्डेनबर्ग, जैस्पर जॉन्स)।

*****